संस्था का नाम	– महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर		
स्थापना वर्ष	– सन् 1932 ई0		
संस्था का पता	– सिविल लाइन्स, जिला परिषद रोड, गोरखपुर, पिन –273001		
शिक्षकों की संख्या	– कुल सृजित पद	– 85	
	कार्यरत	– 56	
शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की संख्या	– लिपिक (सृजित)	– 08	
	कार्यरत	– 05	
	– परिचारक (सृजित)	– 25	
	कार्यरत	– 13	
विद्यार्थियों की संख्या	– 3605		
उपलब्धियॉ	–		

महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर की स्थापना युग पुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा सन् 1932 ई0 में की गयी। यह विद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर की प्रथम संस्था है। विद्यालय को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद्, इलाहाबाद द्वारा इण्टरमीडिएट स्तर पर मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य तथा व्यावसायिक स्तर पर मान्यता प्राप्त है। यह एक राजकीय सहायता प्राप्त विद्यालय है। विद्यालय में कक्षा – 6 से कक्षा – 12 तक 52 वर्ग संचालित है। विद्यालय के पास 100 कमरों का एक विशाल एवं सुसज्जित छात्रावास है। गोरखपुर के अतिरिक्त आसपास के जनपदों के साथ–साथ नेपाल एवं बिहार के विभिन्न जनपदों से छात्र यहॉ शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। विद्यालय में एन0सी0सी0, एन0एस0एस0, रेडक्रास, स्काउट, तथा साहित्यिक–सांस्कृतिक कार्यक्रमों की गतिविधियॉ पूरे वर्ष भर संचालित होती रहती है। क्रीड़ा के क्षेत्र में यह विद्यालय गोरखपुर मण्डल का अग्रणी विद्यालय है। प्रतिवर्ष दर्जनों छात्र राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते है तथा स्थान प्राप्त करते हैं। विद्यालय का

शैक्षणिक परिवेश तथा अनुशासन उत्तम हैं। विद्यालय के पास विज्ञान विषयों से सम्बंधित सुसज्जित प्रयोगशालाएं तथा उपयोगी पुस्तकों का समृद्ध पुस्तकालय एवं वाचनालय है।

यह विद्यालय प्रदेश का ख्यातिलब्ध् एवं प्रतिष्ठित इण्टर कालेज है। गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, सांसद–लोकसभा गोरखपुर इसके मंत्री/ प्रबन्धक है, जिनके कुशल प्रबन्धन में यह विद्यालय दिनों–दिन प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित श्री राम जन्म सिंह वर्तमान में इस विद्यालय के प्रधानाचार्य हैं।